

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**#• 2**0]

नई बिल्ली, शनिवार, मई 23, 1981/ज्यैष्ठ 2, 1903

No 20.

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1981/JYAISTHA 2, 1903

इस भाग में भिग्न पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—चण्ड 3—उप-चण्ड (iii) Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संच राज्यक्षेत प्रशासनों को छोड़ कर) केम्ब्रोय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आवेदा

तई दिल्ली, 4 माई, 1∂81

आ. अ. 335 .—्यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 147-राजमहल निर्वाचन क्षेत्र से चृगाव लड़ने माले उम्मीदवार श्री महाबीर मंडल, ग्राम जमनीघाट स्थारिया, पो. सरकांडा, जिला संथाल परगना (विहार) लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों व्वारा अपेक्ति अपने निर्वाचन त्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असाकत रहे हैं;

अौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विए जाने पर भी अपनी उम असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्माचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पाम इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

सतः उक्त अधिनयम की धारा 10-क के अनसरण में नियानन आयोग एतद्यारा उक्त श्री महाबीर मंडल को एसद के किगी भी सदन के या किभी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सवस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिष्ठिंग घोषित करना है।

[मं. बिहार-वि. स./147/80(10).l

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi the 4th March, 1981

O.N. 335.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahabir Mandal Vill. Jamnighat, Budhwaria, P.O. Sarkanda, P. S. Rajmahal Dist. S. P. (Bihat) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 147-Rajmahal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidale, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahabir Mandal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Pullament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/147/80 (19)]

क्षा. अर 336 . —यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 147-राजमहल निर्वाचन क्षेत्र से चूनाव लड़ने वाले उम्मीदबार थीं परमेश्वर प्रसाद मोदी, साहेबगंज बार्ड न . 10 (न्यू रोड सलाब पर) पी. माहेबगंज, जिला संधाल परगना (बिहार) लोक प्रतिनिधिता अधिनियम, 1951 तथा सम्बीत बनाए गए नियमों द्वारा अधिक्षत रीति से अपने निवचन ध्ययों का लेखा दिखन करने में असफन रहे हैं;

और यतः, उदान उम्मीदवार ने, उसे सम्यक्त सूचना विष् जाने पर भी आभी उम असफनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी सगाभान हो गया है कि उसके पाम इस असफनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौष्टिस्य नहीं है;

बतः उबस अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्यारा उकत श्री परसंद्यर प्रसाद मोदी को संसद के किमी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा अथ्या विधान पोरणह के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायिध के लिए निरहित घोष्टिन करना है।

[मं. विद्वार-वि.स./14इ/80 (20)]

O.N. 336.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Parmeshwar Prasad Modi, Sahibganj, Ward No. 10, At New Road, Jable, P.O. Sabirganj Dist. S. P. (Bihar) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 147-Rajmahal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due not has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Parmeshwar Prasad Modi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of the order.

INo. BR-LA/147/80 (20)]

### नई दिल्ली, 7 मार्च, 1981

आ। अ। 387 .—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 41-जहानाबाद भिर्वाचन क्षेत्र में भूगव लड़में वाले उम्मीदवार थी अखिलेश धर्मा, ग्राम सग्नी, पो. नादाल, थाना मनाड़ी, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधि-नियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन न्यंशों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

शीर यतः, उक्स उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सृचना दिए जाने पर भी अपनी उस असफलया के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, नियचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धक्त 10-क के अन्सर्ण में निर्वाचन के दिए 41-अहं-मताद तिव्यचन क्षेत्र में च्याद लड़ने संसव के किसी भी सबन के या कियी राज्य की विधान सभा अध्या विधान परिषद् के सबस्य जने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख में तीन यर्ष की कालावधि के निए निरहिंग घोष्य करता है।

[सं. चिहार-धि.स./147/80 (20)]

New Delhi, the 7th March, 1981

O.N. 337.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Akhilesh Sharma, vill. Saguni, P.O. Nadaul, P.S. Mashauri, Patna, Bihar a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980, from 41-Jahanabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all an required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is staisfied that he has no good reason of justification for the failure;

Now, therefore, in pursuante of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Akhilesh Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/41/80 (16)]

आ. अ. 338. — यतः, निर्माचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 41-जहागाबाद निर्माचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवदार श्री मो. अली, हिन्दुस्तान जनरल स्टोर्स, पी. जी. रोड, जहानाबाद, बिहार लोक प्रतिभिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सह्थी। बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्माचन क्यों का रोई भी लेका दाखिल करने में अस्फल रहे हैं; और

और यतः, उक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्बक्त सूचना दिए आने पर भी अपनी उस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पट्टीकरण नहीं विया है, निर्धाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके णस इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीचित्य नहीं है;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एह ब्रुक्तारा उक्त श्री मी. अली को संसद के किसी भी सदन के या फिसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिष्टिंग घोषित करता है।

[सं. बिहार-लोक म./41/80 (17)]

O.N. 338.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Md. All, Hindustan General Stores, P. G. Road, Iehanabad Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980, from 41-Jehanabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Md. All to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the I egislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/41/80(17)]

अ1. था. 339 . यात., तिर्याचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्याचन के लिए 4)-जहानाबाद निर्याचन क्षेत्र से च्नाथ लड़ने काले उम्मीववार श्री राम जसन प्रमाद, ग्राम पिरौधा, पो. सोदनगंज, थाना नोसी, जिला गया, बिहार लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने नियास क्यांग का कोई भी लखा दरीताय करने भी असफल रहे हैं ;

अौर यतः, उत्ता उग्गीदवार ने, उसे सभ्यक सूचना दिए जामे पर भी अपनी उग अगक्तता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधल हो गया है कि उसके पाम इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासौचित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 10-क कं अन्मरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उन्त श्री राम जतान प्रसाद को संसद है किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की सारीख से तीन नर्ज की कालाविध के िए निर्दाह निर्माण करता है।

Lसं. बिहार-लो. स. /41/80(18) र

O.N. 339.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Jatan Prasad, Vill. Piraundha, P.O. Madangani, P.S. Chosi, Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 41-Jehanabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Ram Jatan Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/41/80(18)]

आ. 340 — यतः, निर्धाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जसवरी, 1950 में हुए लोक सभा के लिए सम्भारण निर्धाचन के लिए 41-जहानाबाद निर्धाचन क्षेत्र से चूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भी शंकर प्रसाद सिंह, गांधी मैवान, जहानाबाद जिला गया, बिहार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनिधम, 1951 तथा तद्यीन वगाए गए निष्यमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिस करने में असफल रहे हैं;

अर यतः, उवत, उम्मीदबार ने, उमें सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अफित उम अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टिकरण गही दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य गही है;

अतः अतः, उत्ता अधिनिया की धारा 10-क के अन्सरण में निवंचन आयोग एनवृहारा उक्त श्री धंकर प्रभाद सिंह को समद के किमी राज्य की विधान सभा ज्या ि विधान परिषद् के सदस्य खूने जाने और होने के लिए एस आदेश की नारीक में तीन नर्ज की कालाविध के लिए निर्हित वोिपत करना है।

्ति. अहार-को. स. / 1º/80(19) <u>]</u>

O.N. 340.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shankar Prasad Singh Gandhi Maidan, Jehanabad, Bihar a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 41-Jehanabad constituency,

has failed to lodge an account of his election expenses at all as requied by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shankar Prasad Singh to be dequalified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislatve Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-HP/41/80(19)]

# अधिस्खना

नई चिल्ली, 16 अप्रैल, 1981

आ. 31. 341 . —लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की भारा 198 की जन्मरण मी निर्वाचन आयोग, 1980 की निर्वाचन अर्थी हैं। 1 में दिया गया उच्च न्यायालय, पटना (बिहार), की भारीच 27 फरवरी, 1981 का आदेश प्रकाशित करता है।

[संख्या 82/**बिहार**/1/80]

आदेश से.

एस जी. जीन, अवर सिध्य भारत निर्वाचन आयोग

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 1981

O.N. 341.—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the order dated the 27th February, 1981, of the High Court of Judicature at Patna (Bihar) in Election Petition No. 1 of 1980.

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA Election Petition No. 1 of 1980.

Ram Bilas Yadav and another.....Petitioners

#### Versus

Order No. 22 dated 27-2-81

Smt. Madhuri Singh

Mr. Bijay Chandra who was appearing on behalf of the petitioners has prayed that his appearance in this case may be ignored. Let his appearance on behalf of the petitioners be ignored.

Mr. Abinash Kumar appearing on behalf of Mr. Shrawan Kumar, who is reported to be ill, has submitted that the petitioners have not cared to deposit the sum of Rs. 348]-in spite of repeated reminders nor has cared to send any intimation to their counsel. Since the petitioners have not complied with the order passed on 11-2-80 and the time granted by that order was final, this election petition is dismissed for default.

It appears that a petition has been filed by one Shri I akhanlal Kapur to be added as intervenor-applicant. The office has pointed out two defects in respect of that petition, viz., provision of law has not been stated in the petition and copy of it has not been served on the petitioners. No defects or to make any submission concerning this petition. The petition is accordingly rejected.

Sd/- R. P. SINHA.
[No. 82/BR/1/80]
S. C. JAIN, Under Secy.
Election Commission of India

#### आबेश

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1981

आ। अ 342 . च्यत: , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के जिए साधारण निर्वाचन के लिए 232-घोड़ाडोगरी (अ. ज. जा.)

निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वासे उम्मीदवार श्री जग्गू मूकाम व पोस्ट बांमपुर, तहसील व जिला बौतूल (मध्य प्रवेश) लोक प्रतितिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमीं द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दासिल करने में असफल रहे हैं ;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असाक्त्यता के लिए कोई कारण अथवा शाष्ट्रीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस अस्फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीचित्य नहीं है;

अत: अब, उवत आंधिनयम की धारा 10-क के अन्हरण मा निर्वाचन आयोग एतद्बारा उक्त श्री जग्ग, की संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथना विधान परिषद् के सदस्य धुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीक में तीन वर्ष की काल,यिध के लिए निर्देश्त घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./232<sup>7</sup>80(25)]

#### **ORDERS**

New Delhi, the 8th April, 1981

O.N. 342.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jaggu, At Po. Banspur Tehsil and District Betul (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 232-Ghoradongri (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jaggu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/232/80(25)]

आ. अ. 348. — यतः, निर्याचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 232- घोड़ाडोगरी (अ. आ. जा.) निर्वाचन के से च्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री साहब लाल गवासे, मृक्षाम व पोस्ट कोयलबुड़ डी, शहभील व जिला बौतल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन वनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने लिर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

अीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक्ष् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टिकरण नहा दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्गरण में निर्वाचित अयोग एत्व्वतारा उक्त श्री माहब लाल महामें को संगद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिवद् के सवस्य ज्ने जाने और होने के लिए हम आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[मं. म. प्र. बि. स. /232/80(26)]

O.N. 343.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sahablal Mawase, At & Post Koyalbudhi, Tahsil & District Betul (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 232-Ghoradongri constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sahablal Mawase to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/232/80(26)]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1981

शा. अ. 314. — यतः, निद्यांचन आयोग का समाधान हा गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 147-कांकेर (अ. ज. जा.) निर्वाचन के से गुनाव नड़ने वाले उम्मीदवार श्री मनोहर नेताम, गो. नियायाण, कांकेर, जिला बस्तर (मध प्रदेश) लोक प्रतिनिधायाण, कांकेर, जिला बस्तर (मध प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्बक्त सृचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अध्या रुपण्टीकण्ण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अत. अब, उबत अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निवाचन आयोग एतद्व्वारा उक्त श्री मनोहर नेताम की संसद के किणी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा अधवा विधान परिषद् के मदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहन घोषिस करता है।

[मं. स. प्र. - वि. स./147/80(32)]

New Delhi, the 15th April, 1981

O.N. 344.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Monchar Netam, Mokam Phuniyanara, Kanker, District Bastar (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 147-Kanker (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commssion is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Monohar Netam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either Honse of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/147/80(32)]

नई दिल्ली, 15 अप्रील, 1981

का अ 345 . — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्याचन के लिए 147-गोरेगांव निर्वाचन क्षेत्र में चनाव लड़नै वाले उम्मीदवार श्री दोये दिलीए मधुकर राव, लोहिया वार्ड नं. 40, गोंडिया, तहसील गोंडिया, जिला भंडारा (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्ति अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जक्त उम्मीद्यार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलसा के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्धाचन आयोग का यह रामाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयीग एतव्हारा उक्त श्री दोये दिलीप मधुकर राव को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषव के सबस्य होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविव के लिए निर्दिहत घोषित करता है।

[सं. महा-धि स./147/80 (48)]

# New Delhi, the 16th April, 1981

O.N. 345.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Doye Dilip Madhukarrao, Lohiya Ward No. 40, Gondiya Tah. Gondhiya District Bhandara (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 147-Goregaon Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Doye Dilip Madhukarrao to be disqualfied for being chosen us, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/147/80(48)]

### नई विल्ली, 23 अप्रैल, 1980

आ अ 346 , — यत: , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, मह।राष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 127-आरबी निर्वाचन केन्न से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गाडलिंग नथु बापूराथ, मु, डा. पिपरी, नहगील जारगी, जिला वार्धा (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्सित अपने निर्वाचन थ्ययों का लेखा रीति से वाख्ति करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलसा के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टिकरण नहीं विया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलसा के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य महीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्याचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री गार्डालंग नथः वापुराह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विभान परिषद् के सदस्य भूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-िंहत घोषित करता है।

[ सं· महा-वि स/127/80 (57)]

#### New Delhi, the 231d April, 1981

..O.N. 346—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gadling Nathu Bapurao, At Post Pipri, Tah. Arvi, District Wardha (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 127-Arvi Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Gadling Natthu Bapurao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. M  $\Gamma$ -LA/127/80(57)]

### नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1981

आर. अ. 347. — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 89-धृले निर्वाचन क्षेत्र से चुनात लड़ने वाले उम्मीदवार थी वामोवर बालमीक राव सकादिओ राष, डा. अम्बेडकर चौक, मनोहर टाकीज के पीछै, धृले, जिला धृले (गहण्राष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्य अधिनयम, 1951 तथा सव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपोक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जक्त जम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माचन अत्योग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मं निर्वाचन आयोग एतद्क्षारा उक्त श्री दमोदर बालमीक राषां म्कादिआ राव को संसद् कें किमी भी सदन या किमी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य खुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. महा-वि. स./89/80 (50)]

### New Delhi, 24th April, 1981

O.N. 347.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Damodar Valmikrao Sukadeorao, Dr. Ambedkar Chauk, behind Manohar Talkies Dhule, District Dhule (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 89-Dhule Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said condidate even after due notice has not given any teason of explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Damodar Balm!kirao Sukadeorao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|89|80(50)]

आ अ 348. — यत: , निर्वाचन अधोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 89-धूले निर्वाधन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाल उम्मीदवार श्री गायकगाड़ प्रेमानाथ नारायण, सिदार्ध नगर, कितोड़ रोड, धूले, जिला धूले (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा अरे- क्षिल अपने निर्वाधन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदनार में, सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनूसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री गायकवाड़ प्रेमानाधनारायण को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधवा विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्िंहत घोषित करता है।

[सं. महा-धि. स./89/80(51)]

O.N. 348.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gayakwad Premanath Narayan, Siddartha Nagara, Chitod Road, Dhule, District Dhule (Maharashtra), a cotesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 89-Dhule Constituency, has failed to lodge on account of his election expenses at all as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pulsuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gayakwad premanath Narayan to be disqualified for being choosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/89/80(51)]

अर. अ. 319. — यतः, निर्वाचन अयोग का समधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, महाराद िधान गया के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 89-अले निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाथ लड़ने वारो उम्मीदवार भी नेरकार हीरामन धृडाक, म. पो. धले गजदीक रेलवे स्टेशन, अले, जिला धले (महाराष्ट्र) लोक प्रतिविधित्व अधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने विर्याचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहें हैं;

और यतः, उथत उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टिकरण कही विया है और निर्वाचन आयोग का गह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पंथाति कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अथ, उक्स अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में विकासन अधिम एतक्दारा उधन और नेरकार हीरामन ध्डाकू की संरद् के किमी भी मदन के या किमी राज्य की विधान सभा अधाः विधान परिषद् के सदम्य चुने जाने और होने वं लिए इस अदिश की तारीस से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्देहत शीपित करता है।

[सं. महा-वि स./89/80 (52)]

O.N. 349.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nerkar Hiraman Dhudaku, At & Post Dhule, Near Riy. Station, Dhule District, Dhule (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 89-Dhule Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rule made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flution Commission is satisfied that has no good reason, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nerkar Hiraman Dhudaku to be disqualified for being chosen as, and for heing a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

|No. MT-LA/89/80(52)|

उता अ 350 - यतः , निर्वाचन अधोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 89-धूले निर्वाचन के लेग निर्वाचन के लिए 89-धूले निर्वाचन के निर्वाचन वान जानियार श्री खजाधर अक्षाचित बाग, मृ आपधान हा जालिंग, ताल्क जिला धूले (महाराष्ट्र) नोक प्रतिनिधित्व व्यधिनियम, 1951 तथा त्युधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपेक्षित वाने निर्वाचन व्यथों का लोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक् सूचना थिए जाने पर भी, इस असफनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण कही विद्या है और निर्वाचन अध्योग का यह सम्भावान हो गया है कि उसके पास इस अमफनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उन्त अधिनियम की भारा 10-क के अनुगरण में किर्माचन आयोग एत्व्याग उक्त श्री राजाधर अविविव्याग को रसव् के किमी भी सबन के या किमी राज्य की विधान सभा अवता यिधान एर्ड्यू के सबस्य द्वे जाने और क्षेत्रे के लिए वस अवदेश की तारीक में तीन या की कालावधि के लिए निरिंद्रत घोषित करता है।

[सं. महा-वि. स./89/80 (53)]

O.N. 350.—Whereas the Election Commission Is satisfied that Shri Rajadhar Avachit Wagh, At Awadhan, Post Laling. Tal. & Distt. Dhule (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 89-Dhule Constitutency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajadhar Avachit Wagh to be disqualified for being chosen

as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|89|80(53)]

### नई दिल्ली, 28 क्ट्रीस, 1981

आर अ 351. — यत , निर्वाचन अधोग का रामाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, सहाराष्ट्र विधान सभा के लिए याधारण निर्वाचन के लिए 206-पूरनधर गिर्वाचन के से ननाय नडने वाले उम्मीयपार भी विठ्ल कृष्णराव टाकेनाले ग्रूजी, मा. हरगड़ों, ता. पूरनधर, जिला पूर्व (महाराष्ट्र) लोक प्रतिशिधित अधिनिशाग, 1951 तथा तव्यीत बनाए गए नियमों द्वारा अधिनत अपने निर्वाचन रायों का कोई भी लेका दालिल करने में अस्पत्त रहे हैं;

और यस:, उक्त उम्मीवबार ने, सम्यक् मूचना विए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा साष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माचन जायोगाता यह समाधान हो गणा है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है;

अतः अय, उक्त अभिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन अभोग एत्द्द्वारा उन्त भी दिठ लक्षण राव टाके धाले ग्रुजी, को संसद् के फिरी भी सबन के या किमी राज्य की विधान सभा अथना विधान परिषद् के सबस्य चृते जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीम में तीन वर्ष की कालायधि के निए निरिह्मिं घोषित करता है।

[सं. महा-चि. सं./256/80 (59)]

#### New Delhi, the 28th April, 1981

C.N. 351.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vithal Krishnarao Takavale Guruli, At & Post Hargude, Tal. Purandhar, District Pune (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 256-Purandhar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whreas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Vithal Krishnarao Takavale Guruii to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the data of this order.

[No. MT-LA/256/80(59)]

### सई दिल्ली, 29 अप्रौल, 1981

आ: अ: 352 — यत., निर्वाचन आगोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए र'जस्थान निधान स्था के लिए साधारण निर्वाचन के लिए साधारण निर्वाचन के लिए पाधारण निर्वाचन के निर्वाचन श्री असर स्था गोन्सान, रागणण नस्ती धीकानेर, जिला लिकानेर (राजस्थान) लोक प्रमिनिधिस्त अधिनियम. 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अस्फल रहे हैं ;

और यता, उबत उम्मीदवार ने, सम्यक्ष् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए और कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिला है और जिसांकर आलोग का सह समाधान हो गया है ि। उपाने पास इस लगफलता के लिए फोई क्यांकि कारण या स्थागौजिस्य नहीं हैं ,

अतः अस, उक्त आधिनयम की धारा 10-क के अन्सरण में निक्षिचन आयोग्न एत्वृद्धारा उत्तन श्री असर मुख मेंघवाल की ससद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अप्तेश की लारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हिर गोषिस करना है।

[सं. राज. वि.स./14/80 (19)]

#### New Delhi, the 29th April, 1981

O.N. 352.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Amar Sukh Meghwal, Rampura Basti, Bikaner, Distt. Bikaner (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 14-Kolayat constituency, has falled to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thercunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Amar Sukh Meghwal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. RI-LA/14/80(19)]

का. अ. 353 .—यत., निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-कोलायत निर्वाचन-क्षंत्र से ध्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपाल गहलौत (मेहतर) नत्थुसर दरयं। जा, हरिजन बस्ती, बीकानेर, जिता बीकानेर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो व्धारा अधिक्षत अपने निर्वाचन अथयो का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे है;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के निए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उन्हें पास इस असफलता के लिए कोई पर्यास कारण या नगायौचित्य नहीं है;

अतः अत, उक्त अफिनियण की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एत्रव्यारा उक्त श्री गोपाल गहलोत (मेहतर) को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य च्ने जाने और होने के लिए इस आदेश की सारीस से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहित घोषित करता है।

[सं. राज-वि स./14/80 (20)]

O.N 353.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopal Gahlot (Mehtar), Nathusar Darwala Harijan Basti, Bikaner, District-Bikaner, (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 14-Kolayat constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopal Gahlot (Mehtat) to be disqualified to being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/14/80(20)]

आ. अ. 354 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 110-पिपलडा (अ. जा.) निर्वाचन-अंक में चूना लड़ने वाले उम्मीदयार श्री मदनलाल, चन्द्रघटा, हरिजन बस्ती कोटा, जिला कोटा (राजस्थान) लोक भृतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्यीन दनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाह्रिल करने में असफल रहे हैं;

और यत , उध्त उम्मीवयार ने, सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी, इस अमफनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफनता के लिए कोई पर्गाप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है:

असः अख, उन्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्नाचन आयोग एतद्व्वारा उक्त श्री मदन लाल को संसद के किसी भी सदन को या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिक्त घोषित करता है।

[सं. राज-वि.स./110/80 (21)]

O.N. 354.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Madan Lal, Chanderghata Harijan Basti, Kota, District Kota (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 110-Pipalda (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Madan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RI-LA/110/80(21)]

आ. अ. 355.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 7-वासा निर्वाचन-क्षेत्र से ग्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार पं गंशीधर दैवज्ञ, वालाजी का मन्दिर, बड़ी चौपड़, जयप्र (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपमे निर्वाचन व्यथों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषिस्य नहीं है:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनमरण में निर्वाचन आयोग एसद्द्यारा उक्त पं. बंशीधर दैराज को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन धर्म की कालायधि के लिए निर-हिंत घोषित करता है।

[मं. राज-लो. स /7/80 (29)]

O.N. 355.—Whereas the Election Commission is satisfied that Pt. Bansidhar Daivegya, Balaji Ka Mandir, Badi Choupar, Jaipui (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 7-Dausa constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Pt. Bansidhar Daivegya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP|7]80(29)]

आर.ज. 356.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 231-बंतूल निर्वाचन-क्षेत्र में धनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री चन्त्रशंखर भागमार गांधी वाई, कोठी हाजार, बंतूल लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में अस्फल रहे हैं;

और यतः, जन्त उम्मीदवार ने, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा राज्योकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 10-क के अनसरण में निर्वाचन आयोग एतद्व्वारा उक्त श्री चन्द्रशंखर भावतार को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य क्मे जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन नर्ण की कालाविध के लिए निरिहात चोषित करता है।

[सं. म.प्र.-नि. स./231/80 (37)]

O.N. 356.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Chandra Shekhar Bhawsar, Gandhi Ward, Kothibazar Betul (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 231-Betul Constituency, has failed to lodge an account o his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chandra Shekhar Bhawsar to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative or Legislative Council Assembly of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/281/80(37)]

आ. अ. 357 . — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधा-रण निर्वाचन के लिए 82-जताना (अ. जा) निर्वाचन क्षेत्र से जूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वैन्कर चतुर भाई ब.लाभाई, कालासान ता. काडी, जिला महसाना (गुजरात) लोक प्रति-निधित्व अधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमा द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का लेखा समय के अन्दर तथा रीति से वास्तिल करने में असफल रहें है;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यकः सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौष्टित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आधोग एतद्द्यारा उक्त शी चतुरभाई गानाभाई को संभद के किसी भी सदय के या किसी राज्य की विधास सभा विचा निधान गरिषा, के सदस्य यूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से सीम वर्ष की कालाविध के लिए निर-हिन नोषिन करता है।

[स. गुज-वि. स. /82/80 (49)]

O.N. 357—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vankar Chaturbhai Balabhai, At Chalasan, Taluka Kadi, District Mehsana (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 82-Jatana(SC) Constitutency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vankar Chaturbhai Balabhai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of there years from the date of this order.

[No. GJ-LA/82/80(49)]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1981

आ.अ.358. —यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्याचन के लिए 301-बदनावर निर्वाचन-क्षेत्र से ज्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कैलाशधन्द्र सोमाजी, ग्राम केगंदा; पोस्ट घमाना, तहसील बढ़नावर, जिला धार (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनित्यम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लंखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्धाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत. अब, जक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण म निर्वाचन आयोग एतद्व्वारा उक्त श्री कैलाशचन्द्र सोमाजी, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सवस्य चने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./301/80(42)]

New Delhi, the 30th April, 1981

O.N. 358—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kailash Chandra Somaji, Village Bangandai, Post, Dhamana, Tehsil. Badnavar, District Dhar, (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 301-Badnavar constituency, has failed to lodge an account of his electon expenses at all as requird by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has not good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kailash Chandra Somaji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or I egislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/301/80(42)]

अ. S.9. — यत., निर्माचन आयोग का समाधान हो गया है कि । ई, 1.8) में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 239-भोषाल दक्षिण निर्माचन क्षेत्र से बनाव लड़ने वाले उम्मीदनार श्री अंसार कुरशी, 9112 शीदया स्कृत के पास जहांगीराबाय, भोपाल (गध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 195। तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यकः स्वना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टिकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अंसार क्रेशी को संसद के िकसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य च्ने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरित्त घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./239/80(43)]

ON. 359.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ansar Kureshi, 911 near to Rashidya School, Jhengirabad, Bhopal (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 239-Bhopal South Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the Shri Ansar Kureshi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/239/80(43)]

आ.अ.360 - यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 239-भोपाल दक्षिण निर्वाचन-क्षेत्र से धुनाव जड़ने वाले उम्मीववार श्री मध्सूदन सिंह, 3154, विधायक-आश्रम-गृह, भोपाल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 196) तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वा-चन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो या है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निम्मिन आयोग एसक्कारा उक्त श्री मधुसूदन सिंह, को संसद के किसी भी सदन के हा किसी राज्य की विधान सभा अध्वा विधान परिषद् के सदस्य को जाते और होते के लिए इस आदेश की तारील से तीन धर्ष की कालाविध के लिए निरिट्त घोषित करता है।

[म.प्र.-वि.स./239/80 (44)]

O.N. 360.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Madhusudan Singh, 3154, M.L.A. House, Rhopal (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly, held in May, 1980 from 239-Bhopal South Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made threunder;

And whereas the said candidates, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Madhusudan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House, of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/239/80(44)]

आ: अ: 361.—यत:, निवचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 102-लैंलू गा (अ.ज.जा.) निर्वाचन-क्षेत्र से चूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नक्ल, केशरच्वा, धो. ठांगरघाट, तह. घरधोड़ा, जिला रामगढ़ (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अधेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्भीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यापित्तय नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एत्द्द्वारा उक्त थी नक्ल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस संदेश की सारीक्ष से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[म.प्र.-वि.स./102/89 (45) ]

O.N. 361.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nakul, Village Kesharchuba, Post: Tangarghat, Tehsil Gharghora, District Raigarh (Madhya Pradesh) a contesting candidatee for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 102-Lallunga

(ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nakul to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|102|80(45)]

आ अ 362 - यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 102-लेंलू गा (अं. जं. जं.) निर्वाचन क्षेत्र से मुनुख लड्ने वाले उम्मीदवार श्री प्रेम सिंह, ग्राम कुजमंडा, पी. सराहटोला तहः धारघोड़ा, जिला रामगढ़ (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोप्त कारण या न्यारीचत्य नहीं है;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतब्द्वारा उक्त श्री प्रेम सिंह, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषय् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की सिंशिक से तीन वर्ष की कालाधि के लिए निरिहित घोषित करता है।

[सं. म.प्र.-धि.स./102/80 (46)]

O.N. 362—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Piem Singh, Village Kunjemurra, Post Saraitola, Tahsil Gharghorra District Raigarh (Madhya Pradesh) a consequing candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 102-Lailunga (ST) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate, oven after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prem Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three pears from the date of this order.

[No. MP-LA/102/80(46)]

### नई दिल्ली, 1 मई, 1981

आ: अ: 363. — यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 2-नोहर निर्वाचन क्षेत्र से खुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दुलाराम, नैयासर, सहसील नोहर, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 सथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत , उनत उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिए जाते पर भी, इस असफलता के निए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्याचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पस इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यर्यांचित्य नहीं है;

अत अब, उभत अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री हुला राम को संसव् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथटा विधान परिषद् के सदर्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की सारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्देहित घोषित करता है।

[सं. राज-वि.स./2/80 (23)]

#### New Delhi, the 1st May, 1981

O.N. 363.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dula Ram, Nayasar, Tehsil Nohar, District Suganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 2-Nohar constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereus the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dula Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No RJ-LA /2/80(23)]

आ. अ. 369.—यतः, निर्धाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 7-केसरीसिंह पर (अ.जा.) निर्धाचन क्षेत्र में च्नाय लडने वाले उम्मीदवार श्री मृसाराम, ग्राम व पो. ओ कालिया तहसील व जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्भीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्धाचन स्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदनार ने, सम्यक सम्मना दिए जाने पर भी, इस असफलहा के लिए कोई कारण अभ्या स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन अध्योग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्यान कारण था न्यायौष्करय नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 10-क के अन्गरण में निर्वाचन आयोग एतद्बारा उक्त श्री मूलाराम को समद के किमी भी सदन के या किमी राज्य की विध्या मधा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आयेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहात घोषिस करता है।

[सं. राज-वि स /7/80 (24)]

O.N. 364.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Moola Ram, Village and Post Kaliya, Tahsil and District Sriganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 7-Keshrisinghpur (SC) constituency, 163 GI/81—3

has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Moola Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-L $\Lambda/7/80(24)$ ]

### नर्ह दिल्ली, 2 मई, 1981

मा आ 365.—यतः, निर्वाचन अत्योग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजम्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 9-रायसिंहनगर (अ. जा.) निर्वाचन-क्षेत्र से लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लेख्राम, 73 एन. पी थी. पी. तो. 68 एन. पी. तहसील रायसिंह नगर, जिला श्रीगंगानगर राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपंक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीद्यार ने, सम्यक सचनः दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अयता स्पर्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्णाप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अया, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन अधिग एतब्द्वारा उक्त श्री लेखराम को समद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की रिश्वन सभा अथवा विधान परिचद् के सदस्य जूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहित घोषित करता है।

।सं. राज-वि ४./9/80 **(25)**]

# New Delhi, the 2nd May, 1981

O.N. 365.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lekhu Ram, 73, N.P. B.P.O. 68 NP, Tehsil Raisinghnagar District Sriganganagar (Rajasthan) as contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 9-Raisinghnagar (SC) Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lekhu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/9/80(25)]

आा.अ. 366 - यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 11-स्रतगढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से च्नाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मलकीतसिंह ग्राम-36 बी.पी.पी.ओ. विजयनगर, तहसील अन्पगढ, जिला श्री गंगान्तर (राज-स्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तब्धीन बनाए

गए नियमाँ द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दा खिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्तः उम्मीदवार ने, सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलहा के लिए कोई कारण अथवा स्पर्टीकरण नहीं दिया है और निर्याचन अधोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है ;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 10-क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतबुद्धारा उक्त श्री मलकीत सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीक से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं **रा**ज.वि स./11/80 (26)]।

O.N. 366.—Whereas the Election Commission is satisfied that Malkit Singh, Village 36, G.B.P.O.—Vijayanagar, Tehsil—Anupgarh, District Sriganganagar (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 11-Suratgarh constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Malkit Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/11/80(26)]

आरं. आ. 367. — यत<sub>्</sub>, निर्वाचन आयोग का समाक्षान हो गया है कि मई, 1980 में हुए ग्जरात विभान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 67-साबरमती निर्वाचन-क्षेत्र से चनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चिन्भाई गंडाभाई पटेल, 3 शिवसकलप रासाईटी, नारानपुर, अहमदाबाद-380013 (गुजरात) स्रोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा हद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दासिल करने में अस्फल रहे हैं ;

और यस∶, उक्त उम्मीदबार ने, सम्बक सृचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथेशा स्पन्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस उसफलता के लिए कोई पर्याप्ट कारण या न्यायीचित्य नही है ;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्मरण में निर्वाचन आयोग एतदब्रारा उक्त श्री चिन्भाई गंडाभाई पटेल, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राभ्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरितित घोषित करता है।

[स. गुज/बि स /67<sup>/</sup>80 (50)]

O.N. 367.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chinubhai Gandalal Patel, 8 Shiv Sankalp Society, Naranpura, Ahmedabad-380013 (Gujarat), a contesting

candidate for general election to the Gujatat L Assembly held in May, 1980 from 67-Sabarmati tuency, has failed to lodge an account of his expenses at all as required by the Representation People Act, 1951, and the Rules made thereunder; election

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Chinubhai Gandalal Patel to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

> [No. GJ-L $\Lambda/67/80(50)$ ] DHARAM VIR, Under Secv.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1981

आ.अ.368. - यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्यामि के लिए 76-अलीगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने जाले उम्मीदवार श्री वैध चैतन्य बल्लभाचार्य, मो. प्राना हाथरस अब्डा, अलीगढ़ (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधि-नियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सुचना दिए जाने पर भी, इस असफलहा के लिए कोई कारण अवेषा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायाँचित्य नहीं है;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 10-क क अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री वैश चैतन्य वल्लभाचार्य को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हिंत घोषित करता है।

[सं. उ.प.-लो ग /78/80 (33)] ा

New Delhi, the 15th April, 1981

O.N. 368.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vaidya Chaitanya Vallabhacharya, Mo. Purana Hathras Adda, Aligarh (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 76-Aligarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made the required: and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vaidya Chaitanya Vallabhachaya to be disqualified for being chesen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. UP-HP/75/80(33)]

आ. आ. 369.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 76-अलीगढ़ निर्वाचन-अंत्र से ज्नाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देवदत्त कलंकी, मो. रौरंगा-बाद, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए गियमों द्वारा अपंक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक सूधना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई गर्याधा कारण दा न्यायाँचित्य नहीं है;

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसार में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री देवदत्त कलंकी को संसब् के किसी भी सदन के या फिसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य घने जाने और होने के लिए इस आदेश तारीख से तीन वर्ष की क्रांनारिश के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं. उ. प्र. लो. स./76/80 (34)]

O.N. 369.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Devdutt Kalanki, Mo. Naurangabad, Aligarh (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 76-Aligarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Devdutt Kalanki to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parlament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/76/80(34)]

आ. अ. 370.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 76-अलीगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्यारे लाल, मो. तुर्कमान गेट, सरायकावेग, अलीगढ़ (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, स्प्यंक सूचना दिए जाने पर भीं, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौँ चित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री प्टारे लाल को संमद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की तिष्णा सभा अथवा परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेम की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिह्णत घोषिस करता है।

[सं. उ.प्र.-लो.स./७6/80 (35)∄

O.N. 370.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pyarey Lal, Mo. Turkman Gate, Saraikavveg, Aligarh (U.P.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January, 1980 from 76-Aligarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pyarcy Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/76/80(35)]

आ. अ. 371.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान ही गया है कि जनवरी, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 76-अलीगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चनाव लड़ने वाले उम्मीतवार श्री फारिक म्स्तफा, मो. दोदप्र अलीगढ़, (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व, 1951 तथा तद्वधीन दनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने गर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पट्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्यांग्त कारण या न्याशीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्मरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री फारिक म्स्तफा को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधवा विधान पिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालामिश के लिए निरिहित घोषित करता है।

[सं उ.प्र.-लो.स./76/80 (36)]

O.N. 371.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Fariq Mustafa, Mo. Dodpur, Aligarh (UP.) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh held in January, 1980 from 76-Aligarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Fariq Mustafa to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/76/80(36)]

आत. अत. 372. — यतः , निर्वाद्न आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी , 1980 में हुए उत्तर प्रदेश से लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 78-अलीगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री मृहम्मद मृबीन सिद्दीकी, मो दोदणूर अलीगढ़ (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निवाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अस कल रहे हैं,

और यस , उक्त उम्मीदयार ने, सम्यक सत्रना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अश्वा स्पष्टी करण नहीं दिया है और निर्माचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पयारा कारण राज्यायीं कि या नहीं है;

अत अब, उपल अधिनियम की धारा 10-क हा अन्तरण में निर्वाचन आयोग एतष्ट्वारा उक्त श्री ग्हम्मद मृबीन सिद्दीकी को ससर को किसी भी संदन क या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषय् क सदस्य चने जाने और होने के लिए लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायिध के लिए निरहित घोषित करता है।

[स उप्र -लो स /76/80 (37)1

ON 372.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Moh Mubin Siddiquee, Mo Dodpur, Aligarh, (UP) a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Uttar Pradesh Legislative Assembly held in January, 1980 from 76-Aligarh constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1981, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pulsuance of section 10% of the said Act, the Election Commission hereby Jeclares the said Shii Moh Mubin Sidiquee to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No UP-HP '76/80(37)]

### नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1981

आ. ध. 373.—यत , निर्धाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 307-विधूना निर्वाचन केने से भुताब लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुखराम सिह उर्फ सृखराम सिह, ग्रा रौदपुर पो पूर्तौली, जिला इटावा (उ प्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनिमय, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने व्ययो का कोई भी लेखा वाज्विल करने में असफल रहे हैं;

और यस , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अध्यय स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ,

अत अन, उक्त अधिनियम की धारा 10 क के अनमरण में निर्वाचन आयोग एत्र्द्धारा उक्त श्री मृखराम सिह उर्फ सूख-राम सिह को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सवस्य चने जाने और होने के लिए इस आदंश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दिहत घोषित करता है।

[स उप्र-विस /307/80 (144)]

### New Dolhi, the 24th April, 1981

ON 373—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mukh Ram Singh alias Sukh Ram Singh, Village Rodapur, Post-Pusauli Disti Ltawah (UP) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 307-Vidhuna constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mukh Ram Singh alias Sukh Ram Singh to be dis qualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No UP LA/307/80 144)]

आ. ४. 374 — यत , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गगा है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए 307-विध्ना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाग लडने वाले उम्मीदवार श्री लाल पितदव प्रसाद सिंह, ग्रां व पो सबहुव, जिला इटावा (उ प्ररू), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपिक्षत समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दास्लि करने में असफल रहे हैं,

और यत , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूषना दिए जाने पर भी, इम असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्दाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं हैं,

अत अब, उक्त अधिनाम की धारा 10-क के अनसरण में निर्धाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लाल पितृदेव प्रसाद सिह को ससद के किमी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा अधवा विधान परिषद् के सदस्य चुन जाने और होने के लिए इस आदेश की तारील से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निहित घोषित करता है।

[स उ प्र-चि .स /307/80 (145)]

ON 374—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Pitri Deo Prasad Singh, Village & PO. Sabhad, Distt Etawah (UP) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 307-Vidhuna constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Pitri Deo Prasad Singh to be disquilified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No UP-LA/307/80(145)]

आ. अ. 375.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण गिर्वाचन के लिए 307-विधान निर्वाचन केने चूनाय लड़ने वाले उम्मीद्यार श्री इद्रपाल सिंह, ग्रा. पूरवा घासी, पो. दशहरा, जिला इटावा (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति स अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अस्फलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया हैं और निर्धाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसार में निर्धाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री इन्द्रपाल सिंह की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य जूने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहित घोषित करता है।

[ਸਾਂ. ਤ, ਖ਼.-ਬਿ. ਸ./307<sup>/</sup>80 (146)J

O.N. 375.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Indra Pal Singh, Village Purwa Ghasi, P.O. Dashahara, Distt. Etawah (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 307-Vidhuna constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Indra Pal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/307/80(146)]

आ: अ: 376 .—यतः, निर्वाचन अ।योग कः ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 307-विघूना निर्वाचन क्षेत्र से चूनाय लड़ने वाले उम्मीदाार श्री प्रभू, ग्रा. व पो. दिवराव, जिला इटावा (उ प्र ) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपंक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफला रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीवधार ने, सम्यक्ष सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्यात कारण या न्याणीचत्य नहीं है;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतव्य्वारा उक्त श्री प्रभू को संसद के किसी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथधा विधान परिध्य के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायिश के लिए निरिहात योषित करता है।

[सਂ. ਚ. ਸ਼.-ਬਿ. स./307<sup>/</sup>80 (147)]i

O.N. 376.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prabhu, Village & P. O. Divraon, Distt. Etawah (U.P.) a contesting candidate for general election to the

Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 307-Vidhuna constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prabhu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/307/80(147)]

अत. इ. 377 : —यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गणा है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन को लिए 410-बधरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने नाले उम्भीदवार श्री ओमपाल, ग्राम व डा. किन्नोनी, तह. प्र जिला गुजफ्करनगर (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

अीर घतः, जबल जम्मीदबार ने, सम्यक्ष सूचन। विए जाने पर भी, इस जमफानता के लिए कोई कारण अथवा स्परटीकरण नहीं दिया है और निर्माचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके गांस इस असफनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यार्थीचत्य नहीं है;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 10-क के अग्सार में नियानन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री ओमपाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की दिधान सभा अथवा विधान परि-षद् के सदस्य धुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित हरता है।

O.N. 377.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ompal, Village & P.O. Kinnauni, Teh. & Distt. Muzaffarnagar (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 410-Baghra constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ompal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of elther House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/410/80(148)]

### नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1981

का. अ. 378.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 61-पूर्वायां (अ. जा.) निर्वाचन के से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री बांकेलाल, वौलतप्र, डा. तेहरा, जिला शाहजहांपूर (उ. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सब्धीन वनाये गए नियमों ब्वारा अपेक्तित

रीति से निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में असफल रहे

और यतः, उनत उम्मीदवार व्यारा दियं गये अभ्यात्रेदन पर विचार करने के प्रचात्, निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायाँचित्य नहीं है ;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण मं निर्वाचन आयोग एतम्ब्वारा उक्त श्री षांके लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषद् के सदस्य च्ने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. इ. प्र.-वि. स./61/80(206)]

New Dolhi, the 30th April, 1981

O.N. 378.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bankey Lal, Daulatpur, P.O. Tehra, Distt. Shahjaharpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 61-Powayan (S.C.) constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bankey Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/61/80(206)]

### अधिस्चमा

नई दिल्ली, 4 मई, 1981

आर. आ. 379 .—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 111 के अन्तरण में, निर्याचन आयोग सन् 1980 की निर्वाचन अर्जी सं. 1 में हिमाचल प्रदेश, शिमला के उच्च न्यायालय के तारीख 23 मार्च, 1980 का निर्णय एतदुद्वारा प्रकासित करता है।

[सं. 82/हि. प्र./1/80] आदेश से, ओं. ना. नागर, अवर सम्बिध

धौं. नॉं. नागर, अवर सम्बिध भारत निर्वाचन आयाोग

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th May, 1981

O.N. 379.—In pursuance of Section 111 of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the Judgment dated the 23rd March, 1981 of the High Court of Himachal Pradesh at Simla, in Election Petition No. 1 of 1980.

Copy of judgment delivered on March 23, 1981 by the Hon'ble Mr. Justice T. R. Handa, J. in Election Petitlon No. 1 of 1980, titled;

#### Vergug

- Shrl Narayan Chand, M.P. Resident of village and P.O. Sera, Tch. and Distt, Hamirpur,
- Shri Prem Dutt alias Prem Parbhakar, resident of Santokhgarh, District Una (H.P.)

—Respondents.

#### COPY OF JUDGMENT

# IN THE HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH SIMLA

### Election Petition No. 1 of 1980

Date of decision March 23, 1981 Shri Hukam Singh Agiakari—Petitioner

#### Versus

Shri Narayan Chand and another—Respondents Quorum

The Hon'ble Mr. Justice T. R. Handa, J. The Hon'ble Mr. Justice The Hon'ble Mr. Justice Whether approved for reporting?

For the Appellant(s)/Petitionet(s) M/s. G. S. Ahuja and Rajeev Mehta Advocates.

For the Respondent(s)—Shri A. K. Goel vide Shri Inder Singh (counsel for respondent No. 1.)

#### T. R. HANDA, J.

Shri Narayan Chand, respondent No. 1, was elected as Member of the Lok Sabha from 4-Hamirpur Parliamentary Constituency in the elections held in 1979 80. The petitioner Shri Hukam Singh Agiakari, who was one of the candidates for this election, filed the present election petition under section 100 of the Representation of the People Act, 1951 challenging the aforesaid election of respondent No. 1 on various grounds, the details of which need not be mentioned for the purposes of the present order. Suffice to say that on the pleas of the parties, the following five preliminary issues were framed by this Court on 24-7-1980:

- Whether the petitioner was a candidate for Janta Secular Party for the parliamentary election held in January 1980 for Hamirpur constituency and had the requisite letter for allotment of the party symbol i.e. 'Farmer Ploughing Field'?
- 2. Whether the symbol, namely, 'Farmer Ploughing Field' originally allotted to the petitioner was changed by the Returning Officer in violation of the rules?
- 3. In case issue No. 2 is found against the petitioner, whether the election petition as originally filed was maintainable in law on other grounds mentioned therein?
- 4. Whether the order dated 5-3-1980 directing the petitioner to amend the original election petition is invalid in law ?
- 5. Whether the election petition as now filed is still bad in law for non-compliance of the mandatory provisions of section 83 of the Representation of the People Act, 1951 ?

The parties were called upon to produce their evidence in support of and against the above preliminary issues. After 5 witnesses of the petitioner and 2 witnesses of the respondent had been examined the petitioner moved the present application under section 109 of the Representation of the People Act, 1951 for permission to withdraw the election petition. In this application which is duly supported by the petitioner's own affidavit, the petitioner has stated that taking into consideration all the facts and the evidence produced on the record till now, he considers that it will not serve any useful purpose to prosecute the election petition. He has also declared that the application has not been induced on the record till now, he considers that it will not allowed.

Notice of this application was published in the Official Gazette of of 7-3-1981 as required by Sec. 110(2)(b). No person has come forward to apply to be substituted as petitioner within the statutory period of 14 days.

I have gone through the pleadings of the parties as also the evidence produced so far on the preliminary issues and am satisfied that the petitioner has moved this application under the bonafide belief that it would serve no useful purpose for him to prosecute the petition any further and that it is in this own interest to withdraw the petition at this stage and to save himself from the liability for full costs. I am also satisfied that the petitioner has not been induced by any bargain or any other consideration which ought not to be allowed.

I would accordingly allow this application and permit the petitioner to withdraw from the election petition which is dismissed as withdrawn. The petitioner shall pay the costs of respondent No. 1 inccurred so far which keeping in view the preliminary stage of the proceedings are assessed as Rs. 500/-.

A copy of this order be forwarded to the Election Commission.

Simla, dated the March 23, 1981,

Sd|-

T. R. HANDA. J.
[No. 82/HP/1/80]
By Order,
O. N. NAGAR, Under Secy.
Election Commission of India

#### आबेज

### नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1981

आ. अ. 380.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए कर्नाटक विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-चिकपेट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री बी. टी. रामाचन्द्रा, नम्बर-6, 13 कास किलारी रोड़, बंगलौर-53, लोक प्रतिनिधित्व अधि-नियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्धारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, जन्न जम्मीदवार द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्धाचन आयोग का ग्रह भी समधान हो गया है कि जसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बी. टी. रामांचन्द्रा, को संसद के किसी भी सदन के या किमी राज्य की यिधान सभा अधवा परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिह्ति घोषित करता है।

[सं. कर्नाटक-चि. सं./79/78(64)]

New Delhi, the 30th April, 1981

### **ORDERS**

O.N. 380.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri B. T. Ramachandra No. 6, 13th Cross Kilari Road Bangalore-53, a contesting candidate for general election to the Karnataka Legislative Assembly held in February, 1978 from 79-Chickpet constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfled that he has no good reason or justification for the failure; Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri B. T. Ramachandra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KΓ-LA/79/78(64)]

### नई दिल्ली, 1 मई, 1981

आ. अ. 381 .— यत., निर्वापन श्रायोग का समाधान हो गरा है कि मई, 1980 में हुए तिमलनाड़ विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 214-वास्वेवानल्लूर (अ. जा.) निर्वाचन क्षेत्र में चूनाव लड़ने वाले उम्मीदगर श्री एस. अय्यादुरई, उर्फ अनन्तथा राज, पृत्र समूल, गोमा थीम्थूपूरम पोस्ट, पानईयर (मार्फत) शंकरान कोइल तालुक तिमलनाडु लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, उक्त उम्मीदवार द्वारा विए गए अभ्यायेवन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य गृही है ;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में में निर्वाचन आयोग एतद्द्यारा उक्त श्री एस. अय्यादुरई उर्फ अनन्तथा राज, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिष्टित घोषित करता है।

[सं. त. ना.-वि. स./214/80 (90)]

### New Delhl, the 1st May, 1981

O.N. 381.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Ayyadurai arias Anantha Raj, son of Samuel, Gomathimuthupuram Post, Panajvoor (via) Sankarkoli Taluk Tamil Nadu, a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May 1980 from 214-Vasudevarrallur (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after the considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Ayyadurai Alias Arantharaj to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. T. N.-LA/214/80(90)]

### नई दिल्ली, 2 मई, 1961

आ. आ. 382.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फबरी, 1978 में हए कर्नाटक विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 80-विन्नपेट, निर्वाचन केंग्रेंग से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जी. श्रीनिवासनं नं 507 दूसरा काम, श्रीनगर, बंगलौर, कर्नाटक, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, गतः, उक्त उम्मीदशार द्वारा दिए गए अभ्याबेदन पर दिचार करने के परचाता निर्वाधन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एतव्व्वारा उक्त श्री जी. श्रीनिवासन, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधार परिषद् के सदस्य भूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीस से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित् धोषित करता है।

[सं. कर्नाटक-वि. स./80/78(65)]

आदेश से,

वी. के. राव, अवर सचिय, भारत निर्वाचन आयोग

New Delhi, the 2nd May, 1981

O.N. 382.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri G. Srinivasan, No. 507, 2nd Cross, Srinagar, Bangalore, Karnataka, a contesting candidate for general election to the Karnataka Legislative Assembly held in February, 1978 from 80-Binnypet constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri G. Srinivasan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KT-LA/80/78(65)]

By order,

V. K. RAO, Under Secy. to the Election Commission of India